

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर





हवामहल



बच्चों का झरोखा

23 सितम्बर 2023: शनिवार: वर्ष - 04: अंक - 23



पांच नटखट सब्जियां

आज की कविता



किसान राजकुमारी

आज की कहानी



उड़, चील, उड़!

आज की किताब



हवापम्प

आज की गतिविधि



'बुढ़िया की रोटी' का समाजशास्त्र

टीचर्स कॉर्नर



कैसे करें कहानी पर चर्चा?

हमारा पुस्तकालय

क्या आप कभी पलंग से सोते हुए गिरे है? पांच नटखट सब्जियों बैंगन, आलू, प्याज, भिन्डी और टमाटर के साथ तो यही हुआ। अब इन रोती हुई सब्जियों को कौन चुप करायेगा? क्या ये पांचो वापस पलंग पर सो पाएंगी? जानने के लिए देखते और सुनते है ये कविता। चित्र पर क्लिक कर सुने यह मज़ेदार कविता।



3+ वर्ष के बच्चों के लिए। Infobells

कंसारी के पिता को पसंद नहीं था कि इतने बड़े राजा की बेटी खेती करे। नाराज होकर राजा ने कंसारी को राजमहल से निकाल तो दिया, लेकिन फिर ऐसा क्या हुआ कि कंसारी को मनाने और उसे लेने राजा जंगल स्वयं आया ? क्या कंसारी वापस राजमहल गई? वह किसान राजकुमारी कैसे बनी? पूरी कहानी सुनने के लिए चित्र पर क्लिक करें।



6+ वर्ष के बच्चों के लिए। BookBox

लोग अक्सर सोचते हैं कि उनका जीवन सीमित होता है, जबिक वो उससे कुछ अधिक महान करने के लिए बने हैं. हम कुछ उदात्त, कुछ श्रेष्ठ करने के लिए बने हैं. हम इस पृथ्वी के नीरस अस्तित्व से बंधे नहीं हैं, बल्कि वास्तव में कुछ शानदार काम अंजाम करने के लिए यहाँ आए हैं। उड़, चील, उड़! एक अफ्रीकी कहानी का आकर्षक और अभिनव रूपांतर है। कहानी पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।



6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvindguptatoys

यह शायद दुनिया का सबसे सरल और सबसे कुशल एयर पंप है। इस पंप से आप गुब्बारे को हवा से फुला सकते हैं। इसे बनाने के लिए आपको एक 1 लीटर की खाली प्लास्टिक की बोतल, दो गुब्बारे - एक बड़ा एक छोटा, कैंची और टेप की आवश्यकता होगी। आइये सीखते है इस बार की गतिविधि में हवा के पम्प को बनाना। विडियो के लिए चित्र पर क्लिक करें।



6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvindguptatoys

हर कहानी के कई पहलु होते है। आमतौर पर 'बुढ़िया की रोटी' कहानी के बारे में कहा जाता है कि बुढ़िया अपने हक़ को पाने के लिए कोशिश कर रही थी। लेकिन हक़ पाने की इस कोशिश में धमकाना, देख लेने की बात कहना, कमज़ोर पर दबाव बनाने के लिए लगातार किसी और ताक़तवर से मदद माँगना चलता रहता है। पढ़ते हैं 'बुढ़िया की रोटी' कहानी के कुछ पहलु नंदा शर्मा की नज़र से।



शिक्षकों के लिए। Pathshala

समझ के साथ पढ़ने वाले पाठक और लेखक के रूप में बच्चों को विकसित होने का अवसर कहानी पर सवालों के माध्यम से चर्चा करने से ही होगा। इससे बच्चों में चिंतन की क्षमता कौशल के साथ ही बच्चे कहानी के पात्रों के साथ एक जुड़ाव विकसित कर पाएंगे और कहानी को आसानी से अपने शब्दों में सुना भी सकेंगे जो सीधे-सीधे बच्चों के मौखिक भाषा विकास को प्रोत्साहित करेगा। पढ़ते है ये ब्लॉग



शिक्षकों के लिए। Education Mirror



#सबपढ़े #सबबढे साथियों, हवामहल का 178वाँ अंक आपके हाथों में हैं। खुद जुड़िये और अपने दोस्तों को भी जोडिए। बताइएगा कि यह अंक कैसा लगा?





आज का अंक आपको कैसा लगा? अपने सुझावों से अवगत कराने के लिए सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक करें।